तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

(म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 12 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 19-12-2023 से 25-12-2023 तक ● पृष्ठ : 04 ● मूल्य : 2 रुपये

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी बड़ी ताकत-मोदी

वाराणसी। काशी समेत समूचे देश के विकास के प्रति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने में सफल होंगे। वाराणसी में 19 हजार करोड़ की परियोजनाओं के शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा अब से कुछ महीने बाद ही देश भर में चुनाव है और मोदी ने देश को गारंटी दी है कि वो अपनी तीसरी पारी में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी ताकत बनाकर रहेगा।

ये गारंटी अगर मैं देश को दे रहा हूं, तो इसका कारण आप सभी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा हमारा प्रयास है कि भारत सरकार ने गरीब कल्याण की, जन-कल्याण की जो भी योजनाएं बनाई हैं, उनसे कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे। इसलिए मोदी की गारंटी वाली गाड़ी एकदम सुपरहिट हो गई है। जिन्हें योजनाओं का लाभ मिला है, उन्हें ये विश्वास हुआ है कि उनका जीवन अब और बेहतर होगा।

उन्होंने कहा काशी समेत सारा देश विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हजारों गांवों, हजारों शहरों में पहुंच चुकी है। करोड़ों लोग इस यात्रा से जुड़ रहे हैं। इस यात्रा में जो गाड़ी चल रही है, उसको देशवासी मोदी की गारंटी वाली गाड़ी कहते हैं।

वाराणसी में हाल ही में संपन्न देव दीपावली का जिक्र करते हुये श्री मोदी ने कहा इस बार जो लोग देव दीपावली के अद्भुत दृश्य देखकर आए, जिनमें विदेशी मेहमान भी शामिल थे, उन्होंने मुझे दिल्ली में पूरा हाल बताया था। जी20 में आए मेहमान हो या बनारस आने वाला कोई भी अतिथि, जब बनारस के लोगों की प्रशंसा करते हैं तो मेरा भी माथा ऊंचा हो जाता है।

उन्होंने कहा कि आज स्वर्वेद मंदिर बनकर तैयार होना, इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है। ये महामंदिर महर्षि सदाफल देव जी की शिक्षाओं और उनके उपदेशों का प्रतीक है। इस मंदिर की दिव्यता जितना आकर्षित करती है, इसकी भव्यता हमे उतना ही अचंभित भी करती है। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है कि महादेव के एक घर से उनके दूसरे घर आना।

श्री मोदी ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा एक चलता फिरता विश्वविद्यालय है। इन दो दिनों में मैंने बहुत सीखा। आज की परियोजनाओं से काशी के विकास को गति मिलोगी। मैंने लाल किले से कहा था। हमें कम से कम 15 शहरों में घूमना चाहिए। मुझे खुशी है जो पहले विदेश घूमने जाते थे वो आज अपना देश घूम रहे हैं। पर्यटन बढ़ता है तो विकास बढ़ता है। पर्यटन बढ़ने से काशी के लोगों की आय बढ़ गई है।

हंगामा करने पर विपक्ष के 33 सदस्य लोकसभा से निलंबित

नई दिल्ली। लोकसभा में सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में भारी हंगामा करने वाले विपक्ष के 33 सांसदों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया और कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। चार बार के स्थगन के बाद तीन बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने हंगामा कर रहे कांग्रेस समेत विपक्षी सदस्यों का नाम लिया। उसके बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सदन ने अवमानना का गंभीर संज्ञान लिया है। उन्होंने विपक्ष के 33 का नाम पुकारा और सभी सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

शिवराज को मिलने वाली है बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। हाल ही में मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी से मुक्त हुए शिवराज सिंह चौहान के भविष्य को लेकर लग रही। अटकलों के बीच पूर्व सीएम 19 दिसंबर को शिवराज सिंह चौहान की दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात होगी। चौहान दिल्ली जाएंगे और दिन में नड्डा से मुलाकात करेंगे। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद चौहान का यह पहला दिल्ली दौरा है। शिवराज और नड्डा के बीच मुलाकात का अजेंडा क्या है यह तो सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री की नई भूमिका को लेकर पार्टी अध्यक्ष उनसे चर्चा कर सकते हैं। शिवराज सिंह चौहान और नड्डा के बीच भाजपा मुख्यालय में दोपहर करीब 12 बजे मुलाकात होगी। नड्डा के अलावा शिवराज पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं।

शिवराज को लेकर अटकलें

शिवराज की नई भूमिका को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि डेढ़ दशक से अधिक समय तक मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर चुके शिवराज के अनुभव का फायदा अब पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहेगी। 2024 से पहले शिवराज को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है या पार्टी में बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

सम्पादकीय

सर्दियों में संभाले हृदय को

बदलती जीवन-शैली के साथ हृदय रोग के प्रति लोगों को जितना सचेत रहना चाहिए, उतना नहीं रहते हैं। ऐसा नहीं है कि हृदय संबंधी शिकायतें केवल भारत में बढ़ रही हैं। तुर्की के एक विपक्षी नेता हसन बिटमेज का गुरुवार 14 दिसंबर को निधन हो गया। वह इजरायल के विरुद्ध अपना भावपूर्ण भाषण देने के बाद मंच पर ही गिर पड़े थे और उनकी भी उम्र महज 54 थी।

ऐसे अनेक वीडियो हैं, जिनमें लोग नाचते-चलते या बोलते-बोलते ही हृदयाघात के शिकार होते दिखते हैं। क्या हमारी दुनिया हृदय रोगों से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है? भारत में तो हृदय रोग को लेकर ज्यादा अध्ययन नहीं हुए हैं, पर अमेरिका में हुए अध्ययन से पता चलता है कि जाड़े के दिनों में दिल के दौरे की शिकायत में 30 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाती है। कुछ डॉक्टर बताते हैं कि गरमी के दिनों की तुलना में दिल के दौरे के दोगुने मामले ठंड के दिनों में होते हैं। पारंपरिक रूप से अगर हम देखें, तो भारत में भी बूढ़ों के लिए सर्दी के मौसम को चिंताजनक बताया जाता है। बहुतों के लिए 15 दिसंबर से लेकर मकर संक्रांति के पहले तक रातें बहुत मुश्किल से कटती हैं। ऐसे में, सर्दियों में सेहत के प्रति ज्यादा जागरूकता अनिवार्य है। सही खान-पान के अलावा अपनी दिनचर्या को ऐसे रखना चाहिए, ताकि शरीर में स्वाभाविक रूप से ऊष्मा बनी रहे। शरीर चलाना और ज्यादा से ज्यादा पैदल चलना जरूरी है, जबकि लोग जाड़े में एक जगह सिमटे रहना पसंद करते हैं। वैसे पिछले तीन वर्षों से भारत में हृदय संबंधी शिकायतों को कोविड महामारी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। चिकित्सकों की सलाह भी है कि जिन लोगों को कोविड हुआ था, उन्हें कुछ वर्ष सतर्कता के साथ बिताने चाहिए, ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचना चाहिए। आंकड़े गवाह हैं कि भारत में अकेले 2022 में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021 में 28,413 लोगों की दिल के दौरे से मौत हुई थी, जबकि साल 2022 में 32,457 लोगों की मौत हुई। सबसे दुखद तो यह है कि दिल के दौरे के लगभग आधे मामले 'साइलेंट' होते हैं, जिसे लोग समझ भी नहीं पाते हैं। हृदय संबंधी शिकायत किसी भी उम्र में हो सकती है। चिकित्सक सलाह देते हैं कि शरीर के सूक्ष्म संकेतों पर ध्यान देना चाहिए। बुनियादी रूप से यह माना जाता है कि किसी भी तरह का तनाव लेना घातक हो सकता है, लेकिन शारीरिक सक्रियता से किसी भी तरह के तनाव को संतुलित किया जा सकता है। बचाव के तमाम चिकित्सकीय उपायों से ज्यादा जरूरी है कि अपने शरीर में हो रही तकलीफ की दूसरों से चर्चा करना, ताकि सही परामर्श और उपचार तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

क्या शिवराज सिंह चौहान को केंद्र के संकेतों को समझ कर गरिमा पूर्ण विदाई नहीं लेना चाहिए थी?

लगभग साढे 18 वर्ष तक मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एक छत्र राज करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में जो भी कार्य किए हैं वह सदैव याद रहने वाले हैं।

2023 के चुनाव में जाने के पहले लागू की गई लाडली बहना योजना उनके दिल से निकली थी। यही एक योजना थी जिसे मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शिवराज सिंह चौहान को सबसे आगे रखा था। पर वे पांचवी बार मुख्यमंत्री बनते- बनते रह गए।

लेखक-हरिशंकर शर्मा

अब चलते हैं चुनावी कैंपेन के दौरान हुए घटनाक्रमों पर। चुनाव के दौरान आयोजित होने वाली रैलियों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बार-बार लाडली बहनाओं के सम्मेलनों में रैंप से उनसे कनेक्ट हो जाया करते थे और धीरे से कह भी लेते थे कि क्या बहने उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाएगी। मैं मुख्यमंत्री बनू कि नहीं फिर से मुख्यमंत्री बनना उनके लिए एक मिशन की तरह सामने आ रहा था। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने किसी भी एक व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रोजेक्ट ना करते हुए 6 सांसदों को मैदान में उतार दिया था। जिससे संदेश गया कि अब शिवराज सिंह चौहान फिर से मुख्यमंत्री बनने वाले नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह की होने वाली आमसभाओं में भी एक तरह से यह संकेत दिया जाने लगा कि मुख्यमंत्री का निर्वाचन केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर करेगा। किसी भी एक व्यक्ति को मुख्यमंत्री के लिए प्रोजेक्ट नहीं किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिवराज सरकार के कामों के बारे में कभी भी उनकी रैलियों व सभा में अपनी ओर से तारीफ का एक शब्द भी नहीं बोला । उनका प्रचार केंद्रीय योजनाओं के ऊपर केंद्रित रहा। लेकिन यह शिवराज सिंह चौहान ही थे जो बार-बार नरेंद्र मोदी की तारीफ करते थे किन्तु धीरे से आखिर में मुख्यमंत्री पद का दावा भी ठोक देते थे। चुनाव परिणाम में जब 160 से ज्यादा सीट भाजपा को मिली तो चारों तरफ उल्लास का वातावरण था। शिवराज सिंह भी काफी खुश दिख रहे थे। परिणाम के ठीक एक दिन पहले उन्होंने अपने एक वक्तव्य में कहा भी कि कांग्रेस से कोई कांटे की टक्कर है ही नहीं, सारे कांटे लाडली बहना ने निकाल दिए है। यह हुआ भी भाजपा की जीत में लाडली बहना ने कोई माने या ना माने बड़ा काम किया है।

3 दिसंबर को परिणाम आए और लगभग एक सप्ताह तक मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर अटकल बाजी चलती रही। शिवराज सिंह चौहान लगातार किसी ने किसी बहाने अपने आप को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए प्रोजेक्ट करते रहे। जबकि केंद्रीय नेतृत्व ने साफ संकेत दे दिए थे कि अब उनके लिए मुख्यमंत्री बनना लगभग असंभव है। कैलाश विजयवर्गीय और प्रह्लाद पटेल के बयानों से इस बात को बल मिला कि शिवराज सिंह को हटाया जा रहा है। यही वह समय था जब शिवराज सिंह चौहान को सम्मानपूर्वक मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से हट जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमित शाह निरंतर चुनाव के दौरान संकेत दे रहे थे कि शिवराज सिंह चौहान फिर से मुख्यमंत्री बनाये नहीं जाएंगे । क्या यह अवसर नहीं था जब शिवराज सिंह चौहान केंद्र के संकेत ग्रहण कर प्रचार के दौरान यह कह देते कि लाडली बहनों आपके लिए योजना तो मैंने चलाई है लेकिन अब मैं आगे मुख्यमंत्री नहीं रहूंगा। मैने बहुत राज कर लिया अब आगे इस योजना को कोई और चलाएगा। सोचिए कितनी गरिमापूर्ण विदाई होती? एक सीटिंग मुख्यमंत्री की, जो 18 साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा हुआ था। लेकिन बाद के समय में पूर्व मुख्यमंत्री पद से हटे नही उन्हें हटाया गया। शिवराज सिंह चौहान का पद के प्रति अनुराग किसी न बहाने से उजागर हो रहा है जो भावुकता तक जा रहा है। शिवराज सिंह चौहान से मध्य प्रदेश की जनता प्रेम करती है और उनसे दृढ़ता की उम्मीद कर रही है। उम्मीद करती है वे पद से हटाए जाने की घटना को गरिमा के साथ निभा ले जाएं।

भारतीय जनता पार्टी ने लंबी सोच के साथ न केवल मध्यप्रदेश बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नए व् युवा नेतृत्व को आगे किया है। कभी शिवराजसिंह को भी तो इसी तरह उमाभारती और बाबूलाल गौर को नजरअंदाज करके सत्ता सोंपी गई थी।

लोकसभा में 'डाकघर विधेयक 2023' ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने डाकघर में सुधार लाने और ज्यादा जनोपयोगी बनाकर इनका आधुनिकीकरण करने वाला 'डाकघर विधेयक 2023' सोमवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर दो दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए संचार राज्य मंत्री देबू सिंह चौहान ने कहा कि कई योजनाओं के तहत लाखों महिलाओं ने पोस्ट आफिस के माध्यम से बचत की है। एक लाख 80 हजार से ज्यादा युवाओं को डाकघरों में रोजगार मिला है। आज डाकघर आधार कार्ड बना रहे हैं और करोड़ों आधार कार्ड डाकघरों के जरिए बनाए गए हैं और बन रहे हैं। उन्होंने विधेयक को बहुत बड़ा परिवर्तनकारी बताया और कहा कि इससे आने वाले समय में बड़ा बदलाव समाज में आएगा और यह विधेयक क्रांतिकारी साबित होगा।

जन-जन को विकसित भारत का संकल्प दिलवाया, शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

उज्जैन। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी एवं जनहितैषी योजनाओं पर आधारित विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में निरन्तर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत तराना की नौगावां ग्राम पंचायत में यात्रा के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। बड़नगर के ग्राम लिंबास में भी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों के अन्तर्गत संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता को दी गई। स्थानीय जनता को विकसित भारत के निर्माण की शपथ भी दिलवाई गई।

महिदपुर की ग्राम पंचायत बैजनाथ, घट्टिया, ओरड़ी, कंथारिया और बरथून में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर और जन-जागरूकता शिविर लगाये गये। उज्जैन के ग्राम करोहन और जरखोदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन ग्राम पंचायत भवन के परिसर में किया गया। इस दौरान गांव के सरपंच श्री राजेन्द्र सिंह, श्री महिपाल सिंह, श्रीमती अनीता जितेन्द्र गोयल, पंच श्री बाबू पटेल मौजूद थे। साथ ही खाद्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारीगण, जनअभियान परिषद के विकास खण्ड समन्वयक श्री अरूण व्यास, श्री अशोक प्रजापति, प्रस्फुटन समिति एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र और समस्त ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कमठाना जनपद पंचायत खाचरौद में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया गया। ग्राम बनबनी जनपद पंचायत बड़नगर में आयोजित कार्यक्रम में शासन की महत्वाकांक्षी जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे जानकारी प्रदान की गई। कृषि विभाग द्वारा ग्रामीणों को प्राकृतिक खेती की जानकारी दी गई। विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के सम्बन्ध में दीवार लेखन कर नागरिकों को जानकारी दी जा रही है।

डॉ. आरसीपी सिसौदिया स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित

उज्जैन। भारतीय दलित साहित्य अकादमी नई दिल्ली में 39वें राष्ट्रीय अधिवेशन में डॉ. आरसीपी सिसौदिया को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

साहित्यिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों को देखते हुए डॉ. सिसौदिया को 7वीं बार राष्ट्रीय सम्मान से केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया एवं साहित्य अकादमी के अध्यक्ष एसपी सुमनाक्षर द्वारा सम्मानित किया गया।

कवि, साहित्यकार, उपन्यासकार एवं वरिष्ठ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसीपी सिसौदिया ने अपने जीवनकाल में शिक्षा के क्षेत्र में एमबीबीएस गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल से शिक्षा ग्रहण की। एमआरएसएच लंदन से फेलोसिप ली। साथ ही एमए समाजशास्त्र, एमए दर्शन शास्त्र, एमए राजनीति शास्त्र, एमए इतिहास, एमए अर्थशास्त्र की शिक्षा विक्रम विश्वविद्यालय से ग्रहण की। साथ ही साहित्यरत्न, आयुर्वेदरत्न, धर्मरत्न एवं विशारद प्रयागराज हिंदी विश्वविद्यालय इलाहाबाद से प्राप्त की। साथ ही इन्होंने साहित्य जगत में अपनी निरंतर लेखनी से प्रकाशित सिसकती आंस, दास्तान दर्द ए दिल, पैगाम ए मोहब्बत, आस का पंक्षी, धधकते शोले बज्म एवं इनके स्व. पिताश्री की याद में संघर्ष और आरजू उपन्यास पंक्षी एक डाल के, भटकती आत्मा, अंडर प्रेस में है। साथ ही उन्होंने शासकीय सेवा में रहते हुए एलएलएम प्रथम वर्ष माधव महाविद्यालय से कर ही रहे थे कि किन्हीं राजनीतिक कारणों के चलते इनका स्थानांतरण बीएमओ भाटपचलाना से जिला चिकित्सालय मंदसौर किया गया एवं इन्होंने पीएचसी घट्टिया में एक दिन में मात्र 6 घंटे में अकेले डॉ. आरसीपी सिसौदिया द्वारा 101 महिला नसबंदी एवं पुरूष नसबंदी कर एमपी में अपना रिकार्ड कायम किया। सरल हृदय सादगीपूर्ण इनका व्यवहार है।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के जिला सहसचिव एवं बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी ने बताया कि इनके सुपुत्र डॉ. अनुरागसिंह सिसौदिया है। जिन्होंने एमबीबीएस की डिग्री रशिया से हासिल की है। वे भी बधाई के पात्र हैं। सम्मान स्वरूप इन्हें मोमेंटो, शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

वर्तमान परिदृश्य में जल संसाधन का प्रबंधन एवं संरक्षण विषय पर हुआ विशिष्ट व्याख्यान

उज्जैन। शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के भूगोल विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन ÷वर्तमान परिदृश्य में जल संसाधन का प्रबंधन एवं संरक्षण÷ विषय पर किया गया।

विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. एस.एस. तोमर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (भूगोल) शासकीय कमलाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.) ने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान परिदृश्य में जल संसाधन का प्रबंधन एवं संरक्षण करना बहुत ही जरूरी है, कई देश, खासकर अफ्रीका तथा खाड़ी के देशों में भीषण जल संकट है। करोड़ों लोग जबरदस्त जल संकट का सामना कर रहे हैं और असुरक्षित जल का उपयोग करने को मजबूर हैं। बेहतर जल प्रबंधन से ही जल संकट से उबरा जा सकता है और संरक्षण भी किया जा सकता है। डॉ. प्रभाकर मिश्र, प्राध्यापक (भूगोल) शासकीय महाविद्यालय, महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.) ने विद्यार्थियों को अपने व्याख्यान में बताया कि संतुलित विकास छठ में गोल में क्लीन वॉटर एंड सैनिटेशन के अंतर्गत हमें स्वच्छ जल एवं स्वच्छता के बारे में विस्तार से बताया और जल के प्रयोग को घटाना एवं सफाई, निर्माण एवं कृषि आदि के लिए अवशिष्ट जल का पुनःचक्रण करना हमारी प्राचीन जल संरक्षण की पद्धतियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. जवाहरलाल बरमैया ने विद्यार्थियों को बताया कि हमें वर्तमान में जल संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना है क्योंकि निरंतर पृथ्वी का जलस्तर घटते जा रहा है, अगर हम अभी भी नहीं संभले तो इसके दुष्परिणाम हमारी आने वाली पीढियां को भुगतान होगा।

कार्यक्रम का संचालन विभाग अध्यक्ष डॉ आर आर गोरास्या द्वारा कर विद्यार्थीयो को बताया कि हमारी जल सरिताओं को संरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त बनाना है।

आयोजन सचिव डॉ. मोहन निमोले द्वारा आभार व्यक्त कर बताया कि वर्तमान परिदृश्य में जल संसाधन प्रबंधन एवं संरक्षण की नितांत आवश्यकता है।

हमें हमारे दैनिक जीवन में जल प्रबंधन एवं संरक्षण पर विशेष ध्यान देना है। स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रवि मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. अल्पना उपाध्याय, डॉ अल्पना दुभासे, डॉ. जी. एल. खागोडे, डॉ. दीपक ठाकर, डॉ. आर.ए. नागौरी, डॉ. सादिक मंसूरी, डॉ. दीपक भारती, डॉ. मोहित पांचाल, शोधार्थी शिवा पटेल, स्वाति, आशीष पंवार, सौदान सिंह चौहान, दशरथ प्रसाद, अजय जामोद सहित 47 से अधिक एम.ए./बी.ए./एन.सी.सी.के कैडेट्स उपस्थित थे।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम की वैज्ञानिकों द्वारा समीक्षा

उज्जैन। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अन्तर्गत उज्जैन नगर पालिक निगम की ओर से विभिन्न कार्य कराए जा रहे है। जिनकी समीक्षा हेतु दिल्ली से पधारे वैज्ञानिकों के दल ने निगम अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कार्य प्रगति की जानकारी चाही। बैठक में झोनवार कराए जा रहे फुटपाथ निर्माण, ग्रीन वर्टीकल वाल, फाउन्टेन और सघन वृक्षारोपण, नगर वन उद्यान इत्यादि के क्रम में अब तक किये गए कार्यो की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही समीक्षात्मक चर्चा की। वैज्ञानिकों एवं एनसीएपी के पदाधिकारियों द्वारा उल्लेखित किया गया कि जो राशि निगम को उपलब्ध कराई गई है उसका समयसीमा में उपयोग सुनिश्चित करें ताकि आगामी कार्यवाही संभव हो सके। बैठक में एनसीएपी के अधिकारी/वैज्ञानिकों के साथ कार्यपालन यंत्री श्री अनिल जैन, झोनल अधिकारीगण और यंत्रीगण सम्मिलित रहे।

विभिन्न वार्डो में निकली विकसित भारत संकल्प यात्रा, महापौर ने किया शिविर का अवलोकन

उज्जैन। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रत्येक वार्ड में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा कर शिविर आयोजित किये जा रहे है।

वार्ड क्रमांक 47, 48, 49 में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली गई एवं आनन्द भवन में शिविर आयोजित किया गया एवं सायं वार्ड क्रमांक 51, 53, 54 में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली गई एवं महाराजा अग्रसेन धर्मशाला अलखनंदा में शिविर आयोजित किया गया। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली अन्तर्गत प्रातः आनन्द भवन एवं सायं महाराजा अग्रसेन धर्मशाला अलखनंदा में शिविर आयोजित किया गया महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा अलखनंदा स्थित शिविर का अवलोकन करते हुए वहां उपस्थित नागरिकों से चर्चा की गई साथ ही वहां उपस्थित अधिकारी कर्मचारीयों से चर्चा करते हुए शिविर की जानकारी प्राप्त की गई। शिविर में शासन की योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, स्वास्थ्य शिविर, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी से नागरिको को अवगत कराया गया। इस दौरान झोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाह, श्री संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद श्रीमति निर्मला करण परमार, अपर आयुक्त श्री आदित्य नागर, झोनल अधिकारी श्री हर्ष जैन सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

19 दिसम्बर को प्रातः वार्ड 17, 18 में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जाएगी एवं राजेश्वरी समुदायिक भवन में शिविर आयोजित होगा इसी प्रकार सायं वार्ड क्रमांक 38, 39, 43 में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकलेगी एवं अम्बापुरा सामुदायिक भवन देसाई नगर में शिविर आयोजित होगा।

कार्तिक मेला मंच पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

उज्जैन। नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित परम्परागत कार्तिक मेला सांस्कृतिक मंच पर प्रतिदिन सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में नगर निगम की सहयोगी संस्था ओम साई विजन के सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्मय से स्वच्छता का संदेश देते हुए 4 बिन सेग्रिगेशन एवं घरों से निकलने वाले गीले कचरे से होम कंपोस्टींग कर खाद बनाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

डोल ग्यारस अनुदान हेतु 23 तक आवेदन दें

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार डोल ग्यारस पर फूलडोल निकालने वाले समाज, संस्था, संचालकों एवं अखाड़ों के खलिफाओं का सम्मान समारोह का आयोजन 31 दिसम्बर बैरवा दिवस पर आयोजित किया जाता है।

इस क्रम में अनुदान हेतु 23 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित हैं। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सम्मान समारोह और अनुदान इत्यादि की कार्यवाही परम्परानुसार की जाए।

इस तारतम्य में सूचित किया जाता है कि परम्परागत रूप से जिन समाज, संस्था, संचालकों एवं अखाड़ों के खलिफाओं को निगम द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाता है ऐसे पात्र अखाड़े, संगठन, झांकी आयोजन के फोटो इत्यादि संलग्न करते हुए अपने लेटर हेड पर 23 दिसम्बर तक नगर निगम जनसंपर्क विभाग में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

पेंशनर्स डे पर किया वरिष्ठ पेंशनर्स का सम्मान

उज्जैन। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश जिला शाखा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पेंशनर्स डे मनाया गया। जिसमें सभी तहसीलों से लगभग 200 से अधिक पेंशनर एकत्रित हुए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संभागीय अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि पेंशनर्स-डे कार्यक्रम भारत के प्रधान न्यायाधीश व्हाय.वी. चंद्रचूड़ द्वारा प्रख्यात जी.एस. नाकरा प्रकरण में दिए गए ऐतिहासिक निर्णय 17 दिसंबर 1982 में उदघोषित किया-पेंशन सेवा निवृत शासकीय सेवक का अधिकार है, उसको प्रदान किए जाने वाला कोई उपहार, पारितोषिक या दान नहीं है। न्यायमूर्ति व्हाय.वी. चंद्रचूड़ की स्मृति में उज्जैन में पेंशनर्स डे पर न्यायाधीशों एवं विशिष्ट अतिथि का सम्मान शाल, मोती माला एवं श्रीफल से जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, तहसील अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान, राजाराम चौहान, सचिव डी पी शर्मा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के.सी.शर्मा सेवानिवृत्ति रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय, देवी सिंह मालवीय सेवानिवृत्त प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जे.सी. सुनहरे सेवानिवृत्ति प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रवीण चंद्रा ए.जी.एम. बैंक ऑफ इंडिया, अनिल त्रिवेदी सेवानिवृत्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथिगण सुलतान सिंह शेखावत अध्यक्ष असंगठित कर्मकार मण्डल, जशवंत सिंह उमठ वरिष्ठ अध्यक्ष भाजपा रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन एस एन राठौर डिप्टी कलेक्टर ने दिया। सभी ने संगठन को अधिक मजबूत बनाने के लिए एक जुट होने पर ही 49(6) छत्तीसगढ़ से मुक्ती की राह बन सकती है। संचालन नवल किशोर मिश्रा एवं प्रकाशचन्द शर्मा जिला उपाध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु से सेवानिवृत्त परमानंद वर्मा, युगल दास बैरागी, चुन्नीलाल मालवीय, भारत प्रसाद दुबे, प्रभु लाल शर्मा, नाथू सिंह बडाल, कन्हैया लाल वर्मा, मोती सिंह ठाकुर, बाबूलाल मेहता, पन्नालाल परमार, मदनलाल चावड़ा, नारायण दास बैरागी, भालचंद्र जोशी का शाल, मोती माला एवं श्री फल से सम्माननीय किया।

केडी गेट से ईमली तिराहा के रहवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रात्रि 1.30 बजे मुख्यमंत्री निवास से कुछ ही दूरी पर ईमली तिराहा, केडी गेट चौराहे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे थे।

उन्होंने कुछ समय पहले हुए सड़क चौड़ीकरण की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों की चिंता को लेकर जिला कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर व महापौर से बातचीत करते हुए कहा कि स्ट्रीट लाइट के पोल को सेंटर में लगाया जाए, जिससे मकानों को बार-बार न तोड़ना पड़े। इस बात की खबर सुनते ही केडी गेट से ईमली तिराहा के रहवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। खुजेमा खंडवा वाला एवं अकबर भाई चंदन वाला ने जानकारी देते हुए बताया कि इमली तिराहे से केडी गेट तक मार्ग चौड़ीकरण में प्रभावित लोगों को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के सेंट्रल लाइटिंग लगाने के निर्देश से बड़ी राहत मिली है। सभी रहवासियों के चेहरों पर खुशी की लहर है। रहवासियों ने कहां की अगली बार जब भी मुख्यमंत्री उज्जैन आएंगे हम सब मिलकर उनका सम्मान करेंगे। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान जल्द से जल्द इस क्षेत्र के लोगों की समस्या को दूर करने की बात अधिकारियों से कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच करोड़ रुपये देने की घोषणा भी की।

लिफ्टमेक हाईड्रोलिक प्लेटफार्म फायर फाइटर हेतु मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन में संभागीय बैठक में एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी द्वारा लिखे गए पत्र को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौपते हुए 02 लिफ्टमेक हाईड्रोलिक प्लेटफार्म फायर फाइटर की मांग की गई है।

एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी द्वारा पत्र में उल्लेख किया गया है कि उज्जैन नगर पालिका निगम (अग्निशमन विभाग) के पास वर्तमान में 12 नग छोटे बडें फायर फाईटर है, जो कि बिना लिफ्टमेक हाईड्रोलिक प्लेटफार्म के है।

निकाय क्षेत्रों में जी प्लस 2, जी प्लस 3 एवं जी प्लस 4 के भवन, बिल्डिंग, हॉस्पिटल, होटल, शैक्षणिक भवन इत्यादि स्थित है आगजनी कि स्थिति में लिफ्टमेक हाईड्रोलिक प्लेटफार्म फायर फाइटर न होने से उक्त श्रेणी के भवन, बिल्डिंग, हॉस्पिटल, होटल, शैक्षणिक इत्यादियों में आगजनी घटना होने पर उस पर काबू पाने के साथ-साथ होने वाली जनहानि कों बचाने में कठिनाईया होती हैं। उज्जैन नगर पालिक निगम को 02 नग लिफ्टमेक हाईड्रोलिक प्लेटफार्म फायर फाइटर की अति आवश्यकता है।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।